2019, अंक-31

ISSN : 2394-093X

स्त्रीकाल

स्त्री का समय और सच

ऑनलाइन शोध पत्रिका

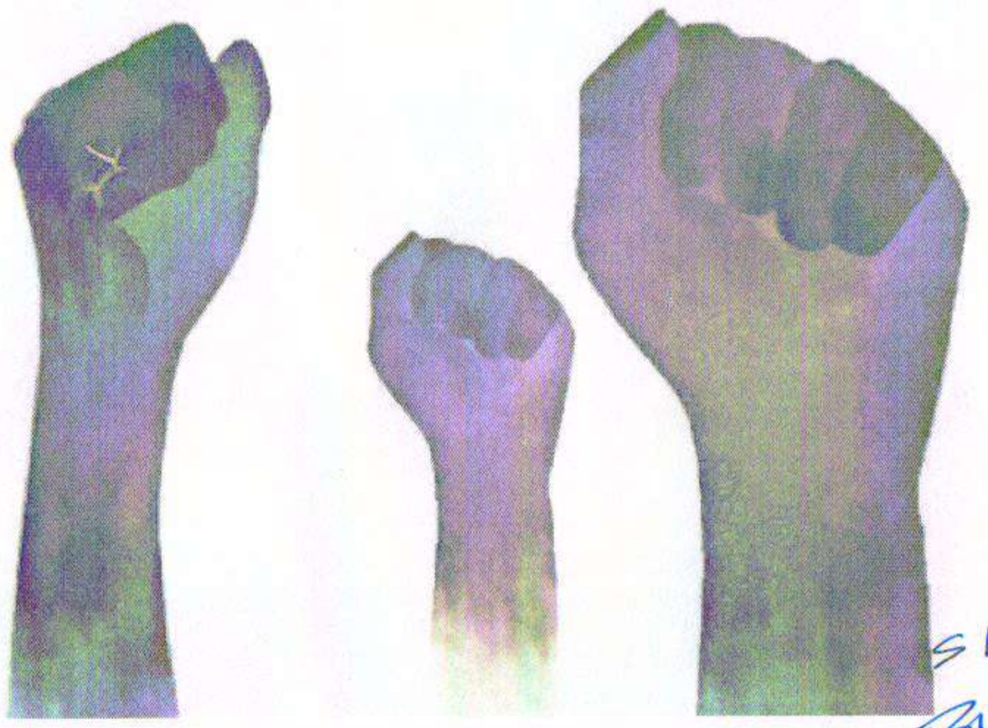

इस अंक में

1. 'फेमिनिस्ट थेरेपी' में 'बिब्लियो थेरेपी' की भूमिका और साहित्य से सरोकार : **पूजा तिवारी** 02
2. प्रमुख आदिवासी आंदोलनों का परिचय : **गंगा सहाय मीणा** 06
3. वर्तमान नारीवाद : भारतीय ऐतिहासिक परिदृश्य : **डॉ. अनीता शुक्ल** 12
4. भगवानदास मोरवाल का हलाला : एक अध्ययन : **महमुदा खानम** 17
5. मोटिफ की गिरफ्त में कसमसाते आदिवासी : **डॉ. अखिलेश गुप्ता** 21
6. हिन्दी दलित साहित्य का वर्तमान परिदृश्य : **सुशील कुमार** 26
7. अम्बेडकरवादी विचारधारा और हिन्दी कविता : **स्वाति चौधरी** 27
8. स्त्री की अस्मिता की तलाश–शेष कादम्बरी : **कंचन कुमारी** 29
9. नासिरा शर्मा के कहानी साहित्य में मुस्लिम समाज का पारिवारिक जीवन : **डॉ. पठान रहीम खान** 32
10. नागार्जुन की कविताओं में स्त्री की पराधीनता और स्वाधीनता का द्वंद्व : **अंजलि कुमारी** 37
11. मुंशी प्रेमचंद के उपन्यासों में नारी की भूमिका की प्रासंगिकता : **डॉ. श्रीमती स्वाती जाजू** 49
12. छिन्नमस्ता में अभिव्यक्त स्त्री–जीवन के प्रश्न : **रेणु चौधरी** 50
13. निराला की कहानियों में सामाजिक यथार्थ : **सोनी पाण्डेय** 53
14. उपन्यास 'जिन्दगी 50–50' में किन्नर विमर्श की अभिव्यक्ति : **वंदना शर्मा** 57
15. हिंदी उपन्यासों में रामकथा के स्त्री पात्रों की अभिव्यक्ति : **राहुल प्रसाद** 60
16. हिंदी ऑनलाइन कहानियों में स्त्री : **दिव्या एम पी** 63
17. बच्चन के काव्य में सामाजिक चेतना और राष्ट्रीयता का गुणगान : **डॉ. सोनिया माला** 67
18. छायावाद के गवाक्ष खोलती आलोचक महादेवी : **डॉ. भुवाल सिंह ठाकुर** 71
19. मो. आरिफ की कहानी संग्रह 'फूलों के बाड़ा' में संघर्षशील समाज : **सत्य प्रकाश** 77
20. अवधी लोक–कथाओं में स्त्री–प्रतिरोध की परम्परा : **सरस्वती मिश्र** 82
21. समकालीन हिन्दी कविता की भाषा संरचना : **ज्योति यादव** 87
22. सहजो बाई के काव्य में भक्ति तत्व : **सुन्दरम् शर्मा** 89
22. समकालीन हिन्दी उपन्यासों में प्रतिरोध : **डॉ. शाहला के.पी.** 91
23. नारी विमर्श : अविच्छिन्न परम्परा और महादेवी वर्मा : **डॉ. निशा यादव** 94

मोटिफ की गिरफ्त में कसमसाते आदिवासी

डॉ. अखिलेश गुप्ता

[illegible]

संदर्भ सूची

[illegible]

S/A

स्त्रीकाल

हमारे बारे में

'स्त्रीकाल', स्त्री का समय और सच हिन्दी में स्त्री मुद्दों पर एक ठोस वैचारिक पहल है, जिसने पाठकों और अध्येताओं का विश्वास हासिल करने में सफलता पाई है।

स्त्रीकाल वेब पोर्टल:
समाज, संस्कृति, राजनीति को स्त्रीवादी नजरिये से देखने की एक पहल के रूप में स्त्रीकाल का यह वेब एडिशन नियमित संचालित हो रहा है, हम खबरों को भी एक स्त्रीवादी दृष्टि से प्रस्तुत करते है, हिन्दी में यह पहली और अनूठी पहल है. पिछले 5 सालों से स्त्रीकाल वेब पोर्टल के रूप में नियमित है. आपके सुझाव, लेख और टिप्पणियाँ आमंत्रित हैं.

स्त्रीकाल प्रिंट:
यह एक त्रैमासिक पत्रिका है. पहले एक अनियतकालीन पत्रिका के रूप में हमने स्त्रीकाल के कई अंक प्रकाशित किये हैं , जिनमें स्त्री सत्ता : यथार्थ या विभ्रम , वैकल्पिक , राजनीतिक और दलित स्त्रीवाद विशेषांक के रूप में प्रकाशित हुए है.

सेमिनार/संगोष्ठियाँ

स्त्रीकाल की ओर से देश के विभिन्न शहरों में स्त्रीवादी मुद्दों पर विचार श्रृंखलाओं का आयोजन कर पितृसत्ता के खिलाफ एक संवाद का माहौल बनाने का प्रयत्न भी हम करते रहे हैं.

संपादक मंडल : जानने के लिए क्लिक करें

विषय -विशेषज्ञ : जानने के लिए क्लिक करें

आईएसएसएन नम्बर : प्रिंट : ISSN 2249-4146
ऑनलाइन: ISSN 2394-093X

प्रकाशन का वर्ष : प्रिंट : 2004 से
ऑनलाइन : 2014 से

प्रकाशन की प्रक्रिया और शर्तें: आलेख, रचनाएं, यूनिकोड या कृतिदेव में टाइप्ड, प्रूफ कर लेखक की ओर से फाइनल हों, स्त्रीकाल किसी भी प्रकार की नकल या पुनर्प्रस्तुति के पक्ष में नहीं है और यदि ऐसे लेख/ रचनाएं हमें प्राप्त होते हैं, और प्रकाशन के पूर्व या प्रकाशित होने के बाद हमें पता चलता है, तो हम कानूनी पहल के लिए स्वतंत्र होंगे. शोध-आलेख प्रकाशन के पूर्व विषय विशेषज्ञों की राय के लिए उन्हें भेजे जाते हैं, उनकी संस्तुति के बाद ही शोध आलेख प्रकाशित होंगे. प्रकाशन का अंतिम निर्णय संपादक मंडल और संपादक का होगा.

प्रकाशन और संचालन

संजीव चन्दन द्वारा 'द मार्जिनलाइज्ड' के लिए सम्पादित , प्रकाशित और संचालित . प्रिंट एडिशन : विकास कंप्यूटर एंड प्रिंटर्स, नवीन शाहदरा, दिल्ली से मुद्रित .

स्त्रीकाल के साथ पत्रकारिता करें, इंटर्नशिप करें

आप कहीं भी हों, किसी भी शहर में, यदि आप जर्नलिज्म के विद्यार्थी हैं या स्त्री अध्ययन और जेंडर स्टडीज के विद्यार्थी है, तो आइये हमसे जुड़ें, आपका स्वागत है. आप अपने विश्वविद्यालय, कॉलेज या शहर से ही अपना एक संक्षिप्त जीवन-परिचय (बायोडाटा) भेजें और फिर शुरू हो जाएँ. आप अपने आस-पास की खबरें हमें भेजें, लिखकर या अपने मोबाइल अथवा कैमरे से रिकार्ड कर-जनपक्षधर खबरें और वैसी खबरें जो समाज में जेंडर विभेद को सामने लायें या उन्हें तोड़ने में मददगार हों. स्त्री अध्ययन और जेंडर स्टडीज के विद्यार्थी शोधपरक लेख, मूल्यांकन, विश्लेषण भेज सकते हैं/ सकती हैं. आपके द्वारा भेजी गयी खबरों/ वीडियो या लेख, मूल्यांकन और विश्लेषण को हमलोग स्त्रीकाल में ऑनलाइन प्रकाशित प्रसारित करेंगे.

छः महीने तक योगदान के बाद हम आपकी इंटर्नशिप का प्रमाणपत्र जारी करेंगे. वर्ष में सर्वश्रेष्ठ खबर/वीडियो/विश्लेषण को हमलोग सम्मानित भी करेंगे.

नोट: स्त्रीकाल का प्रिंट और ऑनलाइन प्रकाशन एक नॉन प्रॉफिट प्रक्रम है. यह 'द मार्जिनलाइज्ड' नामक सामाजिक संस्था (सोसायटी रजिस्ट्रेशन एक्ट 1860 के तहत रजिस्टर्ड) द्वारा संचालित है. 'द मार्जिनलाइज्ड' मूलतः समाज के हाशिये के लिए समर्पित शोध और ट्रेनिंग का संस्थान है.

संपर्क :

The Marginalised , an Institute for Alternative Research & Media Studies, C/O Ashok D. Meshram,
Sanewadi Wardha ,
Maharashtra, 442001
email : themarginalised@gmail.com, Mob: 8130284314

ISSN 2394-093X

691

लोकप्रिय

'प्रसाद की रचनाओं में स्त्री स्वर की अभिव्यक्ति'
स्त्रीकाल

रजनी दिसोदिया की आलोचना पुस्तक का लोकार्पण

स्त्रीकाल शोध जर्नल (33)
ऑनलाइन शोध जर्नल